1. बुद्धि .... 4. परीस्रम ....
3. विशेस .... 6. अबसर ....
5. पढाई ....

ञ. इन शब्दों या शब्दांशों को मिलाकर शब्द बनाइए–

1. नम्रता + पूर्वक = ... 2. सूर्य + अस्त = ...
3. आश्चर्य + चकित = ... 4. अंधकार + मय = ...
5. परि + वर्तन = ... 6. आत्म + विश्वास = ...
7. प्र + सिद्ध = ... 8. लोक + उक्ति = ...

ट. इन वाक्यों में संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए और उनके भेद लिखिए–

1. वह आश्रम की ओर लौट पड़ा। ....
2. वरदराज चिंतित हो गया। ....
वह पढ़ाई पूरी नहीं कर पाया। ....
ुरु जी ने उसे खूब समझाया। ....
ने पानी पिया। ....
ने उसे घर लौट जाने को कहा। ....

जिए– संज्ञा के तीन भेद होते हैं- जातिवाचक, व्यक्तिवाचक और भाववाचक संज्ञा।

रचना कौशल (Creative Skills)

हत्व – इस विषय पर पाँच पंक्तियाँ लिखिए।

ा का नाम है। कुछ भाषाएँ किसी विशेष राज्यों में बोली जाती हैं। नीचे कुछ राज्यों के
ँ की भाषाओं के नाम पता कीजिए–

(ख) तमिलनाडु (ग) कर्नाटक
(ङ) असम (च) केरल

में रहकर पढ़ना होता था। आश्रम और वहाँ के शिष्यों की दिनचर्या आदि के बारे
पिका जी से चर्चा कीजिए।

3 अंतिम अभिलाषा

चोल देश के राजा पार्थिव थे, पर वे नाम के ही राजा थे। उन दिनों चोल देश गुलाम था और वह पल्लव नरेश नरसिंह वर्मा के अधीन था। इससे राजा पार्थिव का मन दुखी रहता था।

राजा का एक बेटा था विक्रम। राजा पार्थिव चाहते थे कि उनका बेटा अपने राज्य को स्वतंत्र करा दे। एक दिन राजा उसे तहखाने में बने एक गुप्त कमरे में ले गए। उस कमरे में दीवार पर एक चित्र टँगा था। विक्रम ध्यान से चित्र देखने लगा। चित्र चोल सेना का था। सेना के आगे-आगे एक हाथी था लेकिन विचित्र बात यह थी कि हाथी पर कोई बैठा हुआ नहीं था।

विक्रम ने इसका रहस्य जानना चाहा तो राजा पार्थिव ने कहा, ''बेटा, हमारा देश गुलाम है। मैं राजा होकर भी राजा नहीं हूँ। इस हाथी पर उसी का चित्र बनेगा जो देश को आज़ाद कराएगा। न जाने, मेरा यह सपना कब पूरा होगा!''

विक्रम समझ गया कि पिता जी उससे क्या चाहते हैं।

तहखाना (basement) = ज़मीन के अंदर बना कमरा